तापमान		
भोपाल	28.0°	41.0°
इंदौर	25.0°	40.0°
जबलपुर	25.0°	39.0°
ग्वालियर	29.0°	43.0 °
सागर	28.0°	41.0 °

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपाल : वर्ष 41 अंक 192, पृष्ठ 12)
ज्येष्ठ (अधिक), कृष्ण एकादशी संवत् 2083
गुरुवार, 11 जून 2026
कीमत: 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी में बुधवार को आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर यादगार-ए-शाहजहानी पार्क में प्रभावी प्रदर्शन किया।

महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

महिलाओं को अब एक कॉल पर मिलेगी त्वरित सहायता

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 की शुरुआत की है।

इस नई सुविधा के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं अब सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव आसानी से दर्ज करा सकेंगी। इस पहल का उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक तथा सचिव श्री सुरेश तोमर ने संयुक्त रूप से हेल्पलाइन का शुभारंभ किया। आयोग की अध्यक्ष श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को समय पर न्याय और सहायता उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधे संवाद का माध्यम बनेगी, जिससे शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं।

हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सदस्य श्रीमती स्थापक ने कहा कि आयोग का लक्ष्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी। श्री तोमर ने बताया कि यह हेल्पलाइन शिकायत पंजीयन, परामर्श और फॉलोअप के लिए एक प्रभावी माध्यम होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक सरल और जवाबदेह बनेगी। महिला आयोग की यह पहल प्रदेश में महिला सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मानव संग्रहालय में माह का प्रादर्श

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मानव संग्रहालय भोपाल के विधि संकुल में जून माह के प्रादर्श 'मयूर पान मसलंद मादुर चटाई' का उद्घाटन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि चितरंजन त्रिपाठी थे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया और संग्रहालय निदेशक का स्वागत किया। प्रो. अमिताभ पांडे ने लोक कलाओं को धरोहर बताया। यह पहल विविध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाती है।

सहायक कीपर डा. सुदीपा रॉय ने चटाई की जानकारी दी। यह चटाई पश्चिम बंगाल की पारंपरिक हस्तनिर्मित मसलंद मादुर है। इसे मदुर काठी घास से बनाया जाता है और यह तद्ब टैग प्राप्त है। इस पर मोर और फूलों की कलात्मक आकृतियाँ हैं। यह पर्यावरण अनुकूल और आजीविका का साधन है। यह चटाई संग्रहालय में एक माह तक प्रदर्शित रहेगी। यह कार्यक्रम देश की लोक परंपराओं के संरक्षण का प्रयास है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी और दर्शक उपस्थित रहे। संग्रहालय द्वारा हर माह नया प्रादर्श प्रदर्शित किया जाता है। इससे युवाओं को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जाता है।

मसलंद मादुर चटाई महिलाओं की आजीविका से भी जुड़ी है। इसमें पारंपरिक तकनीक और प्राकृतिक रंगों का उपयोग होता है। यह कला पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। संग्रहालय में यह प्रदर्श आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोहम्मद रेहान ने किया। अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने जानकारी दी।

विधायक अंबरीश की माताजी के निधन पर दुःख व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के लहार विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री अंबरीश शर्मा की पूज्य माताजी के देवलोक गमन पर गहन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है।

धमकी व गाली-गलौज में बदला कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन : रामेश्वर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भाजपा के नेता रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस द्वारा रोशनपुरा चौराहे पर किए गए धरना-प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं की भाषा धमकी और गाली-गलौज में बदल गई और यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की प्रति लेकर जिस तरह अभद्र भाषा और व्यवहार किया गया, वह संविधान का अपमान है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया, जो संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई नेता धरने में मौजूद थे, फिर भी ऐसी भाषा का प्रयोग हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी आंतरिक गुटबाजी, गलतियों और कलह को छिपाने के लिए ऐसे प्रदर्शन करती है और जनता को भ्रमित करने का प्रयास करती है। श्री शर्मा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त होने के पीछे पार्टी की गलतियां और आंतरिक विवाद जिम्मेदार हैं।

खरीद-फरोख्त में असफल हुए तो ये दांव खेला

मध्यप्रदेश में लोकतंत्र की हत्या हुईः दिग्विजय

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के रोशनपुरा चौराहे पर आयोजित एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत पार्टी के तमाम दिग्गज नेता शामिल हुए।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं पार्टी के सभी विधायकों को बधाई और बहुत-बहुत आशीर्वाद देता हूं, जिन्होंने एकजुट होकर ये लड़ाई लड़ी। श्री सिंह ने कहा कि भाजपा का प्रयास था जोड़-तोड़ करें। लोभ लालच दें और विधायकों की खरीद-फरोख्त करें।

लेकिन जब सभी जगह से वे हताश हो गए तो ये दांव खेला। कल मध्य प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या हुई। संसदीय जीवन में मुझे 50 साल हो गया। मैंने आधा समय विपक्ष और आधा समय सत्तापक्ष में बिताया है। विपक्ष में रहते हुए हमने अटल जी का शासन भी देखा है। तब नियमध्य प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या हुईः दिग्विजयम और कानून की इज्जत थी। लोग डरते थे कि नियमों का उल्लंघन होगा तो कड़ी कार्रवाई होगी।

सिंह ने कहा कि आज ऐसा हो गया है कि नियम, कानून और संविधान की किसी को परवाह नहीं है।

आज हमारा देश और लोकतंत्र संकट में है। आज जिस प्रकार से परीक्षाओं में पेपर लीक हो रहा है, परीक्षाएं रद्द हो रही है।

सिंह ने मीनाक्षी नटराजन की नामांकन के मुद्दे पर कहा कि हमें ये लड़ाई जमीन पर ज्यादा लड़नी पड़ेगी। हम योजनाबद्ध तरीके से कैसे अपनी बात जन-जन तक पहुंचाएं, उसके लिए हमें लिखित में भी चार्जशीट तैयार करनी पड़ेगी। ताकि हम हमारा संदेश आम आदमी तक अपने साथियों द्वारा पहुंचा सकें। अभी विधानसभा चुनाव में ढाई साल शेष है। हमें हर तरह से तैयारी करना होगा। राहुल गांधी जिस दंबगई से आरएसएस से लड़ रहे हैं, हम सभी को उसी तरह लड़ाई लड़ना होगा।

प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व में सुशासन के 12 साल पूरे

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में सुशासन के गौरवशाली 12 साल पूरे हो गए हैं। इस

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, लिखा भावनात्मक पत्र

ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को भावनात्मक पत्र लिखकर इस विशेष उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, अधोसंरचनात्मक विकास तथा देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को मिले अभूतपूर्व सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है। पत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के नव निर्माण एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रधानमंत्री श्री मोदी का अद्वितीय योगदान अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुशासन से पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गांव, गरीब और किसान कल्याण को प्राथमिकता देते हुए लोकतंत्र को भी गौरवान्वित किया है।

महुआ महोत्सव का रंगारंग समापन...

13 राज्यों की लोक एवं जनजातीय संस्कृति का हुआ संगम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की 13वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय महुआ महोत्सव का बुधवार को रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समापन हुआ।

श्यामला हिल्स स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में आयोजित इस महोत्सव ने देश की विविध जनजातीय और लोक परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी तथा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

समापन दिवस का शुभारंभ अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र पारे द्वारा कलाकारों के स्वागत के साथ हुआ। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा शिल्प एवं व्यंजन मेले, कठपुतली प्रदर्शन और प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। बच्चों के लिए आयोजित कठपुतली कार्यशाला में कलाकारों ने इस पारंपरिक कला की बारीकियों से परिचित कराया। वहीं देशज व्यंजन और पारंपरिक शिल्पों की प्रदर्शनी ने भी बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्तर प्रदेश की अवधी लोकगायिका वंदना मिश्रा और उनके साथियों ने लोकगीतों एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके बाद सिक्किम के कलाकारों ने सिंग्गीछाम नृत्य के माध्यम से हिम शेर की पौराणिक परंपरा को जीवंत किया। राजस्थान के गैर नृत्य, गोंड जनजाति के सैला नृत्य, मिजोरम के प्रसिद्ध चेराव बैम्बू नृत्य और ओडिशा के साहसिक रणपा नृत्य ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

कार्यक्रम में झूमर, गुदुमबाजा, माथुरी, कमसाले और तपेटगुल्लू जैसे लोक एवं जनजातीय नृत्यों की भी प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्यों और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से देश की विविध सांस्कृतिक विरासत को मंच पर जीवंत कर दिया। महोत्सव ने न केवल जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया, बल्कि विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक एकता और लोक परंपराओं की समृद्धि को भी रेखांकित किया।

कार्यकर्ताओं की समस्याओं का किया समाधान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

श्री सिंह ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन जनसमस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी जनसमस्याओं को समझा और उन्हें शीघ्र समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण का आवंटन जारी

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बीएड, एमएड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये 15 जून तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया।